जब ईश्वर सबकुछ बनवलन

लेखक Edward Hughes
ब्याख्याकर Byron Unger; Lazarus

अनुवादक सुरेश मसीह
अनुकूलित Bob Davies; Tammy S.

कहानी 1 से 60

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञापत्रः आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

जब ईश्वर सबकुछ बनवलन

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से
ई कहानी लीहल गइल बा

उत्पति १-२

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा यीशु के धरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ बात कहीं : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउआ हमरा जीवन मे आ जाईं अउर हमरा पाप के क्षमा दीहीं ताकि हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह सकीं । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !

सुरेश मसीह Bhojpuri

आदम के बनावे से पहिलेए उ खुबसुरत चीज से भरल सुन्दर संसार बनवलन । बारी बारी से उ पहाडी ईलाकाए सुन्दर घास के मैंदानए गमकउवा फूलए उच्चा उच्चा पेंड पौधाए चमकौवा पंख वाली चिरई चुरुंग भनभनाये वाली मधुमक्खीए लोटेवाली हवेल मछली आ छलकउआ घोंघा बनवलन । वास्तव मेंए ईश्वर उ सबकुछ
बनवलन जवन आज हमनी के बीच मे मौजूद बा ।
3
जब ईश्वर सबकुछ बनवलन ओकरा पहिले ईश्वर के अलावे एह दुनिया में कुछ भी ना रहे । ना आदमी ना जगह ना कवनो सामान । कुछ ना ।ना अंजोर ना अंधकार ना प्रंकाश । ना उपर ना नीचे । ना बितल काल ना आवे वाला काल । खाली ईश्वर रहलन जेकर कवनो शुरुआत ना रहे । तब उ काम कइलें ! शुरु में उ स्वंग आ धरती के बनवले ।
4
ओह समय धरती के बिना रुप आ आकार के रहे । आ अंधकार चारो ओर फइलल रहे । तब ईश्वर बोललें “अंजोर हो जाउ” ।
5
आ अंजोर हो गइल । ईश्वर ओकरा के अंजोर के दिन कहलनआ अंधकार के रात कहलन । इ सुबह आ शाम मिला के पहिला दिन रहे ।
6
दूसरा दिने ईश्वर सब सागर समुन्द्र आ झील के पानी के एक साथ कइलन । तीसरा दिने ईंश्वर कहलन ष्सुखल जमीन दिखाई देउष आ ओसही भईल ।
7
ईश्वर घास फल फूल झाडी आ पेंड पौधा सब के दिखाई देबे के कहलन आ उ सब दिखाई देबे लगलन । ई सुबह आ शाम मिलाके तीसरा दिन रहे ।
8
तब ईश्वर सुरज चन्द्रमा आ खुब ढेर तारा बनवलन जेकरा कोई गिन ना सकत रहे । ई सुबह आ शाम मिलाके चौथा दिन रहे ।
9
ईश्वर के अगिला सूची मे समुन्दर के मछली आ जीव-जन्तु आ चिडिया रहलीन । पाँचवां दिन बडकी बडकी तेंगा मछली आ छोटकी छोटकी सारडीन मछलीन के लम्बा लम्बा पैर वालीशुतुरमुर्ग के आहमेशा खुश रहेवाली आ गुनगुनाए वाली छोटी छोटी चिडियन के बनवलन ।
10
धरती के पानी के भरे खातीर ईश्वर हर प्रकार के मछलीन के बनवलन आ आकाश पताल आ समुन्दर के मजा उठावे खातीर हर प्रकार के चिडियन के बनवलन । सुबह आ शाम मिलाके इ पाँचवां दिन रहे ।
11
ओकरा बाद ईश्वर बोललन । उ कहलन, “धरती जीवित जीव-जन्तु आ प्राणी से भर जाउ ...” हर प्रकांर के जीव-जन्तु, कीडा-मकोडा आ रेंग के चलेवाला जीव पैदा होगइले ।
12
धरती के हिला देबेवाला हाथी, व्यस्त उदबिलाव, नटखट बन्दर, फूहड आ गन्दा घडियाल पैदा हो गइंले । हिले डोले वाला कीडा, गिलहरी आ लमगोड जिराफ आ मन्दबुद्धि वाली बिल्लीयाँ पैदा हों गई । ओह दिने ईश्वर हर प्रकार के जीव-जन्तुं बनवलन । सुबह आ शाम मिला के इ छठवाँ दिन रहल ।
13
छठवाँ दिन ईश्वर कुछ हट के कइलन, बिल्कुल खास । अब सब कुछ मानव खातिर बन के तैयार हो गइल रहें । उनकां खातिर खेत मे भोजन रहे आ उनकर सेवा खातिर जानवर तैयार रहलन ।
14
आ तब ईश्वर कहलन, “अब चली, आ अपना रुप में इंसान के बनावल जाउ । धरती पर जे कुछ भी बा ओकर मालिक बनाई ।” एही से ईश्वर मानव के अपना रुप में बनवलन, अपना रुप में ।
15
ईश्वर आदम से कहलन, “एह बगिचा से जे कुछ तु चाहताड, तु खा । बाकि अच्छा-बुरा के ज्ञान वाला पेंड के फल मत खइह । यदि तु ओह पेंड के फल खइब त, जरुरे तु मर जइब ।”
16
तब ईश्वर हमनी के मालिक कहलन, “इ बढिया बात नईखे कि इंसान अकेले रहो । हम इनकर सहायक बनाईब ।” ईश्वर सब चिडिया, जीव-जन्तु के आदम के आगे रखलन । आदम सबकर नाम रखलन । आदम एह काम में जरुर खुब चालाक होइहन । बाकि ओह सब चिडिया आ जीव-जन्तु में आदम ायक केहु ना रहे ं।
17
तब ईश्वर आदम के खुब गहरी निन्द में सुला दिहले । सुतल आदमी के देह से एगो पसली निकाल के, ओह पसली से ईश्वर हेवा के बनवलन ं। उ औरत जेकरा के ईश्वर बनवलन, सही मायने में आदम के सहायक लायक रहलीन ।
18